भाकृअनुप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान द्वारा स्वच्छता कार्य योजना के अर्न्तगत किसान संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भाकृअनुप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल द्वारा स्वच्छता कार्य योजना के अर्न्तगत किसान संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 20 मार्च 2025 को ग्राम कल्याणपुरा तहसील हुजूर जिला भोपाल में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण एवं किसान संगोष्ठी के अर्न्तगत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा फसल अवशेष एवं घरेलू अपशिष्ट का उपयोग कम्पोस्ट खाद एवं केंचुआ खाद बनाकर मृदा स्वास्थ्य के साथ–साथ टिकाऊ फसल उत्पादन पर जोर दिया गया। मृदा स्वास्थ्य का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से हैं क्योंकि स्वस्थ मृदा से ही स्वस्थ एवं पोषण युक्त खाद्यान्न का उत्पादन किया जा सकता हैं। संगोष्ठी में डॉ. भारत प्रकाश मीणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने किसानो को संबोधित करते हुए किसान संगोष्ठी का उद्देश्य एवं सतत् खाद्यान्न उत्पादन के लिए मृदा स्वास्थ्य बनाये रखने पर जोर दिया। साथ ही खाद्यान फसलों के फसल अवशेष के साथ कृषि बागवानी एवं मवेशीयों से उत्पन्न अवशिष्ट पदार्थो से कम्पोस्ट खाद तैयार कर (वेस्ट टू वेल्थ) किसान की आय में बढोत्तरी पर जोर दिया। डॉ. आशा साहू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किसानो को वर्मीकम्पोस्टिंग उत्पादन तकनीक (सिद्धांत एवं व्यावहारिक) के बारे में जानकारी दी। डॉ. जे. के. ठाकुर, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कम्पोस्टिंग कैप्सूल द्वारा फसल अवशेषों के प्रबंधन के नई तकनीक के बारे में किसान भाईयों को विस्तृत जानकारी से रूबरू करवाया। तथा जैविक एवं प्रकृतिक खेती के बारे में जानकारी साझा की। डॉ. अभिजीत सरकार, वैज्ञानिक ने संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के लिए जैविक खाद का महत्व बताने पर जोर दिया एवं से संतुलित मात्रा के आधार पर ही पोषण तत्व डालने की सिफारिश की। इसके बाद डॉ. असित मंडल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ने किसानों को विस्तृत में कम्पोस्टिंग एवं त्वरित कम्पोस्टिंग के द्वारा कम समय में फसल अवशेषों एवं घरेलू कचरे द्वारा कम्पोस्ट बनाने के विषय में जानकारी दी। डॉ. आर. एस. चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक ने संरक्षित खेती के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबंधन के साथ–साथ जल प्रबंधन तकनीकियों के बारे मे किसानों को अवगत कराया । स्वच्छता कार्य योजना के अन्तर्गत किसान संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम कल्याणपुरा, खामखेडा, भैरोंपुरा, अगरियाँ के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया कार्यक्रम के अंत मे वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. भारत प्रकाश मीणा ने किसान संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी किसानों का आभार व्यक्त किया।